समाधान शिविरों में जनता की शिकायतों का हो रहा है प्राथमिकता से समाधान : डीसी

सुशासन सप्ताह में शिकायतों का हो रहा है मौके पर निदान

फरीदाबाद। फरीदाबाद जिला में सुशासन सप्ताह के तहत हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार समाधान शिविर के माध्यम से जन सुनवाई करते हुए जरूरतमंद लोगों की सार्वजनिक व व्यक्तिगत शिकायतों का प्राथमिकता से निदान किया जा रहा है। डीसी विक्रम सिंह जिला मुख्यालय पर प्रतिदिन कार्य दिवस पर सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक सचिवालय सभागार में लगे समाधान शिविर में लोगों की शिकायतों का समाधान सुनिश्चित करते हुए राहत पहुंचा रहे हैं। समाधान शिविर में शुक्रवार को डीसी विक्रम सिंह ने नागरिकों की समस्याओं पर सुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिला स्तरीय समाधान शिविर में आई शिकायतों का अधिकांश का मौके पर ही निदान कर दिया गया और शेष पर नियमानुसार कार्रवाई करने के निर्देश सम्बंधित अधिकारी को दिए गए। डीसी ने कहा कि हरियाणा सरकार की ओर से जिला, उपमंडल सहित शहरी निकायों में समाधान शिविर के माध्यम से लोगों की शिकायतों का निराकरण करते हुए एक छत के नीचे नागरिकों की शिकायतों के यथाशीघ्र निपटारे के उद्देश्य से हर कार्य दिवस पर राहत दी जा रही है। डीसी ने कहा कि सरकार व प्रशासन का मुख्य उद्देश्य लोगों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान करना है। शिविर में कई शिकायतों का मौके पर ही निपटारा किया गया, जबकि कुछ मामलों में आवश्यक दस्तावेज प्राप्त करने के लिए समय सीमा निर्धारित की गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि समाधान शिविर में संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी मौके पर उपस्थित रहे ताकि शिकायतों का जल्द निपटारा किया जा सके और शिकायतकर्ताओं को समाधान होने पर जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि जिले में फरीदाबाद मुख्यालय सहित बल्लभगढ़ व बड़खल उपमंडल स्तर पर भी समाधान शिविर का आयोजन हो रहा है। नागरिक अपनी समस्याओं के समाधान के लिए शिविरों का फायदा उठा अपनी समस्याओं का निदान करवा रहे हैं। समाधान शिविर में एसडीएम फरीदाबाद शिखा, जिला परिवाद एवं कष्ट निवारण समिति के सदस्य वजीर सिंह डागर सहित संबंधित विभागों के अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला के निधन पर मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने जताया शोक

चंडीगढ़ (सचिन) भेदी नज़र। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने पूर्व मुख्यमंत्री और इनेलो के वरिष्ठ नेता चौ. ओम प्रकाश चौटाला के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि श्री ओपी चौटाला के निधन से हरियाणा की राजनीति के एक अध्याय का अंत हो गया है। उनकी कमी को पूरा कर पाना मुश्किल है। हरियाणा की राजनीति में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री चौटाला का व्यक्तित्व सादगी और संघर्ष का प्रतीक था। वे एक दूरदर्शी नेता थे, जिन्होंने ग्रामीण विकास, शिक्षा और बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए कई योजनाएं चलाईं। उनके निधन से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे प्रदेश को गहरा आघात लगा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि वे ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वे दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवार को इस दुख की घड़ी में धैर्य और संबल दें। उल्लेखनीय है कि श्री चौटाला 1989 में पहली बार हरियाणा के मुख्यमंत्री बने थे। वे पॉच बार राज्य के मुख्यमंत्री रहे। श्री चौटाला का शुक्रवार को 89 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने गुरुग्राम में अंतिम सांस ली।

हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो द्वारा सोनीपत में नशे के विरुद्ध अभियान

- मनुष्य के लिए सबसे महत्वपूर्ण है स्वास्थ्य और स्वास्थ्य का सबसे बड़ा शत्रु है नशा जो करता है दुर्दशा- डॉ. अशोक कुमार वर्मा

गन्नौर/सोनीपत। हरियाणा राज्य नारकोटिक्स कण्ट्रोल ब्यूरो के पुलिस महानिदेशक श्री ओपी सिंह भापुसे साहब के दिशानिर्देशों एवं पुलिस अधीक्षक श्रीमती पंखुरी कुमार के मागर्दर्शन में आज सोनीपत ज़िले में नशे के विरुद्ध कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा द्वारा किया गया। कार्यक्रम की व्यवस्था प्रयास संस्था से जुड़े विनोद शर्मा और राजेश कौशिक के सौजन्य से हुआ। इस कड़ी में जयंती प्रसाद डीएवी पब्लिक स्कूल गन्नौर में एक दिवसीय 45 वां नशे के विरुद्ध जागरूकता कार्यक्रम हुआ। विद्यालय के प्राचार्य चंद्र प्रकाश की अध्यक्षता में 550 विद्यार्थियों, 25 शिक्षकों और 15 से अधिक चालक एवं अन्य कर्मियों ने भाग लिया। ब्यूरो के जागरूकता कार्यक्रम एवं पुनर्वास प्रभारी/ उप निरीक्षक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्वास्थ्य ही पूँजी है। मनुष्य के जीवन के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण स्वास्थ्य होता है। यदि स्वास्थ्य ही अनुकूल न हो तो मनुष्य के सामने कितने भी पकवान रख दो सब व्यर्थ होंगे। उन्होंने कहा कि हमारे स्वास्थ्य का सबसे बड़ा शत्रु नशा होता है और नशे दो प्रकार के होते हैं। प्रतिबंधित और चेतावनी युक्त। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा वर्ष 1985 में एनडीपीएस एक्ट पारित किया गया था जिसके अनुसार भारत में कोई भी व्यक्ति नारकोटिक्स ड्रग्स और साइकोट्रॉपिक सब्सटांस न रख सकता है, न सेवन कर सकता है न उत्पादन और निर्माण कर सकता है और न ही ऐसे कार्य में किसी की सहायता कर सकता है। ऐसा क्यों है जबकि दूसरी और चेतावनी युक्त नशे जिसमे शराब और तम्बाकू आदि पर प्रतिबंध नहीं लेकिन उन के उत्पादों पर चेतावनी लिखकर छोड़ दिया। डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने इस प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि प्रतिबंधित नशों में हेरोइन, स्मैक, चिट्टा आदि ऐसे नशे हैं जिनका सेवन मनुष्य के तन और मन को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करके उसके जीवन को थोड़े ही समय में मृत्यु के समीप ले जाता है जबकि चेतावनी वाले नशे तिल- तिल करके मनुष्य के जीवन का अंत करते हैं।

केस करो, मुझे गिरफ्तार करो, जो आपकी मर्जी है करो मैं हूं खुश : जयहिन्द

पेड़, प्रकृति, पर्यावरण, पब्लिक के लिए लड़ना पाप है, तो मैं पापी हूँ : जयहिन्द

- जनता के मुद्दों लिए लड़ना, आवाज उठाना मेरे खून में है ङ्क जयहिन्द
- मुझे लगता है जवान पेड़ को काटना जवान आदमी की हत्या के बराबर है : जयहिन्द

शुक्रवार 20 दिसंबर को नवीन जयहिन्द फूल-पत्तों की माला पहनकर व फलों की टोकरी लेकर ईङ्करिक्शा चलाकर अर्बन स्टेट थाना रोहतक में गिरफ्तारी देने पहुंचे। जयहिन्द ने थाने में कहा मुझ पर केस करो या मुझे गिरफ्तार करो आपकी मर्जी। पेड़, प्रकृति, पर्यावरण व पब्लिक के लिए लड़ना अगर पाप है तो मैं पापी हूं। जनता के मुद्दे उठाना और उनके लिए लड़ना मेरे खून में है। मेरे किसी भी काम या आंदोलन का मैं खुद ज़िम्मेदार हूँ मेरे किसी ओर साथी को परेशान ना किया जाए। पुलिस ने मुझसे नोटिस का जवाब मांगा था तो आज मैं थाने में जवाब देने पहुंचा हूं। साथ ही जयहिंद ने कहा कि एक साल पहले आज ही के दिन मैं भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने को लेकर जेल गया था। आपको बता दें कि कुछ दिनों पहले पुलिस ने जयहिन्द को नोटिस दिया था और एफआईआर की थी जिसका जवाब देने आज जयहिन्द थाने में पहुंचे। जयहिन्द का कहना है कि यहां पेड़ों के नीचे पूरे प्रदेश से लोग अपनीङ्कअपनी समस्याएं लेकर हमारे पास आते है और हम उनकी समस्याएं सुनते है और उनके मुद्दे उठाते है। अगर लोगो की समस्याएं सुनना, लोगो के मुद्दों की आवाज उठाना अपराध है तो ये अपराध होते रहेंगे। हम सरकार व प्रशासन से यह कहना चाहते है कि एक तरफ तो सरकार, प्रधानमंत्री जी व मुख्यमंत्री जी ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाने को कहते है, यहां तक कि पेड़ों की पेंशन भी बनाई जा रही है। और दूसरी तरफ विभाग द्वारा यहां पेड़ों को काटकर प्लॉट काटने की बात की जा रही है। प्लॉट धारकों को उनके प्लॉट आसपास खाली पड़ी जमीन पर भी दिए जा सकते है, तो पेड़ों को काटकर ही क्यों? एक पेड़ काटना एक आदमी की हत्याके बराबर है। साथ ही जयहिन्द ने मुख्यमंत्री जी से, डीसी साहब से अपील करते हुए कहा कि उन्हें इन पेड़ों को काटकर यहां प्लॉट काटने वाले मामले पर संज्ञान लेना चाहिए और स्वय या अपनी टीम को भेजकर इस मामले का निरीक्षण करवाना चाहिए। हम इन पेड़ों के माली है न की मालिक। इन पेड़ों की न तो कोई पार्टी है और न ही इनका कोई नेता है इसलिए हम इन पेड़ों की रखवाली कर रहे है क्योंकि हमने सालों तक पानी डालकर इन पेड़ों को बड़ा किया है।

समाधान शिविर में आई 96 समस्याएं

विधायक ने समाधान शिविर की देखी कार्यवाही, खुले मन से की उपायुक्त व अधिकारियों की कार्यशैली की प्रशंसा

पानीपत, (चुघ) भेदी नजर। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह के निर्देश पर आयोजित किये जा रहे समाधान शिविर के प्रति लोगों का भरोसा कायम है। उपायुक्त विरेन्द्र कुमार दहिया ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे शिविर के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निवर्हन करें व आम जन की समस्याओं को लटकायें नहीं तुरंत उनका समाधान करें। शुक्रवार को शिविर में उपायुक्त ने सभी विभागों के अधिकारियों के साथ शिविर में पहुंची शिकायतों को लेकर समीक्षा की व कौन से कारण है जिनके कारण आम जन की समस्याओं का निस्तारण नहीं हो रहा के बारे में अधिकारियों से जवाब मांगा। समाधान शिविर में पुलिस विभाग, निगम, बिजली विभाग, पंचायत विभाग व कई अन्य विभागों से संबंधित 96 समस्याएं आई। जिनका उपायुक्त ने तत्काल समाधान करने के निर्देश दिए। समाधान शिविर में पहुंचे पानीपत शहरी विधायक प्रमोद विज ने शिविर की कार्यवाही देखी और पूरे प्रशासन की कार्यशैली की प्रंशसा करते हुए कहा कि इतने अनुशासन में समाधान शिविर में समस्याओं का जिस तरह से समाधान हो रहा है उसे देखकर लगता है कि बहुत जल्द जिला समस्याओं से मुक्त होगा। इस मौके पर अतिरिक्त उपायुक्त डॉ.पंकज, जिला परिषद के सीईओ नरेन्द्र पाल मलिक, नगराधीश टीनू पोसवाल, सीएमओ जंयत आहुजा, खजाना अधिकारी हजारा सिंह, डीडीपीओ मनिष, आयुष अधिकारी संजय, जिला रोजगार अधिकारी रीतू चहल, जिला बाल कल्याण अधिकारी रीतू राठी, खादय एवं आपूर्ति नियंत्रक नीतू, डीएसओ धरेन्द्र हुडडा, पंचायती राज के कार्यकारी अभियंता प्रदीप, डीटीसी कराधान बिजेन्द्र सिंह, जीएसटी पुनित शर्मा, पशुपालन विभाग के पशु चिकित्सक डॉ.अशोक लोहान, मत्स्य अधिकारी मदन मोहन, पुलिस कैप्लेड अधिकारी सुरेश, संजीव शर्मा के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

सीएम विंडो की शिकायतों का तुरंत करें निपटान : डॉ. साकेत कुमार

चंडीगढ़ (सचिन) भेदी नज़र। मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डॉक्टर साकेत कुमार ने कहा है कि सीएम विंडो पर आने वाली शिकायतों को लेकर लापरवाही करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने भिवानी जिला से संबंधित राजस्व के ममलों में लापरवाही बरतने में सीटीएम से स्पष्टीकरण मांगने के आदेश दिए। इसके साथ ही क्रिड के नोडल अधिकारी को भी लापरवाही बरतने के चलते स्पष्टीकरण जारी करने के निर्देश दिए। डॉक्टर साकेत कुमार बृहस्पतिवार को 15वीं विधानसभा के गठन के बाद सीएम विंडो की पहली समीक्षात्मक बैठक ले रहे थे। हरियाणा निवास में आयोजित समीक्षा बैठक में अतिरिक्त प्रधान सचिव ने विभिन्न विभागों से जुड़ी शिकायतों के सम्बन्ध में फीडबैक लिया और सभी को शिकायतों का तत्परता से समाधान करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने कहा कि किसी भी स्तर पर शिकायतों के समाधान में कोई लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने क्रिड के नोडल अधिकारी को विशेष हिदायत देते हुए उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि क्रिड हेतु लोगों की शिकायतों पर गंभीरता और तत्परता से कार्य किया जाए। लंबित शिकायतों का जल्द से जल्द समाधान किया जाए। इस दौरान अतिरिक्त प्रधान सचिव ने बिजली, राजस्व, पंचायत विभागों के कई शिकायतों के सम्बन्ध में जानकारी ली। सभी विभागों को निर्देश दिए कि वे आमजन से जुड़े शिकायतों का तत्काल और पूरी ईमानदारी से निपटान करें। ऐसे उच्च प्राथमिकता वाले मामले, जिनमें धन की हेरा-फेरी या राज्य के खजाने को नुकसान पहुँचने की संभावना हो, को अत्यधिक सावधानी के साथ संभाला जाना चाहिए। व्यापक जनहित से जुड़े मुद्दों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव ने यह रेखांकित किया कि मुख्यमंत्री अंत्योदय की भावना के साथ जनसेवा कर रहे हैं, जिसका मुख्य उद्देश्य समाज के सबसे कमजोर वर्गों का उत्थान करना है।यह दृष्टिकोण अधिकारियों के कार्यों और उनकी मंशा में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होना चाहिए।

रैफर मुक्त फरीदाबाद की मांग मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नाम ज्ञापन सौंपा

फरीदाबाद। रैफर मुक्त फरीदाबाद की मांग को लेकर चल रहे अनिश्चित कालीन धरनारत सेवा वाहन संचालक फरीदाबाद के संस्थापक सतीश चोपड़ा व अनशनकारी बाबा रामकेवल के नेतृत्व में बीके चौक से सैक्टर-12 स्थित लघु सचिवालय तक आटो रैली निकाली गई। तत्पश्चात जिला उपायुक्त विक्रम सिंह के मार्फत मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सतीश चोपड़ा ने मांग करते हुए बताया कि हम पिछले कई वर्षों से शहर की लचर स्वास्थ्य सुविधाओं की समस्याओं के समाधान हेतु संघर्षरत है। जिसमें श्री अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज छायंसा में आईपीडी सर्विस व सिविल अस्पताल फरीदाबाद में डॉक्टर्स दवाइयों की कमी को पूरा करने, आईसीयू की सुविधा, मोर्चरी का आधुनिकीकरण कार्य व शहर में ट्रोमा सेन्टर बनाने की मांगें शामिल हैं। जिस पर जिला उपायुक्त ने ज्ञापन को आगे सरकार को भेजने का आश्वासन दिया। ज्ञापन देने वालों में अन्य के अलावा उपकार सिंह, अधिवक्ता नरेन्द्र पाल, सुशील कटारिया, राकेश अरोड़ा, राकेश उर्फ रक्कू, नवीन ग्रोवर, हरिदत्त शर्मा, संतोष यादव, यशवंत मौर्य, अधिवक्ता राजेश अहलावत, राजेश शर्मा, संजय अरोरा, सचिन तंवर, चंद्रमोहन, प्रीतपाल सिंह, हर्षवर्धन, करतार, अवधेश कुमार ओझा, हरजिन्दर मेंहदीरत्ता, सतेंद्र शर्मा, बाबू शर्मा, मनोज कुमार, संजय पाल, जोगिंदर चंदीला सहिज अन्य साथीगण शामिल रहे।

सुशासन दिवस : जिला स्तरीय कार्यक्रम 25 दिसंबर को होगा आयोजित

सुशासन सप्ताह के अंतर्गत एसडीएम बड़खल ने सुनी जन शिकायतें

- केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर करेंगे कार्यक्रम में रहेंगे मुख्यातिथि
- कार्यक्रम में सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों होंगे सम्मानित

फरीदाबाद। राष्ट्रव्यापी सुशासन सप्ताह अभियान के तहत हरियाणा सरकार द्वारा मनाए जा रहे 'सुशासन सप्ताह' के अंतर्गत डीसी विक्रम सिंह के मार्गदर्शन पर ग्रामीण विकास पर फोकस करते हुए जिला फरीदाबाद में ग्रामीणों की सुविधाओं के लिए कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। ग्रामीण विकास पर केंद्रित इन कार्यक्रमों के तहत लोगों को बेहतर ढंग से प्रशासनिक सेवाएं मुहैया कराई जा रही हैं और इस अभियान में और प्रभावी रूप से प्रशासन अपना दायित्व निभा रहा है। सुशासन सप्ताह के उपलक्ष्य में जिला, उपमंडल सहित शहरी निकायों में आमजन की समस्याएं सुन उनका समाधान किया जा रहा है। सीईओ जिला ग्रामीण विकास अभिकरण सतबीर मान ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को प्रत्येक वर्ष प्रदेश सरकार द्वारा सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। 25 दिसंबर को सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में प्रत्येक जिला में जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिसमें सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों सुशासन पुरस्कार से सम्मानित जाएगा। उन्होंने बताया कि सुशासन दिवस के उपलक्ष्य में राज्य स्तरीय कार्यक्रम गुरुग्राम में आयोजित किया जाएगा, जिसमें मुख्यमंत्री नायब सैनी बतौर मुख्यातिथि शिरकत करते हुए सराहनीय कार्य करने वाले अधिकारियों व कर्मचारियों को सम्मानित करेंगे। वहीं जिला स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर बतौर मुख्यातिथि शिरकत करेंगे।

विशेष : हरियाणा प्रदेश के नाम की व्युत्पत्ति

हरयान या हरियान शब्दों से नहीं, अहिराणा शब्द से हुई है हरियाणा की व्युत्पत्ति डॉ. रामनिवास मानव

हरियाणा प्रदेश के नाम की व्युत्पत्ति के संबंध में विविध थ्योरियाँ हैं। हरियाणा एक प्राचीन नाम है। वैदिक युग में इस क्षेत्र को ब्रह्मवर्त, आर्यवर्त और ब्रह्मोपदेश के नाम से जाना जाता था। ये सभी नाम हरियाणा की भूमि पर ब्रह्मा के उपदेशों पर आधारित हैं और इनका सामान्य अर्थ है- आर्यों का आवास और वैदिक संस्कृति और संस्कारों के उपदेशों का क्षेत्र। कई विद्वान, सीधे ऋग्वेद से इसका संबंध जोड़ते हुए, कहते हैं कि हरियाणा शब्द का तब राजा के विशेषण के रूप में प्रयोग किया जाता था। उनकी मान्यता है कि राजा वासु ने इस क्षेत्र पर लंबे समय तक शासन किया और इसी कारण, इस क्षेत्र को उनके बाद, हरियाणा के नाम से जाना जाने लगा। मगर देश के सुप्रसिद्ध साहित्यकार और शिक्षाविद् डॉ. रामनिवास मानव का कहना है कि हरयाणा अथवा हरियाणा शब्द की व्युत्पत्ति हरयान या हरियान शब्दों से नहीं, बल्कि अहिराणा शब्द से हुई है तथा यह मत पूर्णतया तथ्यपरक, तर्कसंगत और प्रामाणिक है। आइये, इस संबंध में विस्तार से जानते हैं उनके तर्क और विचार।

डॉ. सत्यवान सौरभ*

हरियाणा वैदिक कालीन शब्द है। इसका सर्वप्रथम उल्लेख ऋग्वेद में मिलता है- ऋभुक्षस्याने रजतं हरियाणे। रथं युक्तं असनाम सुषामणि। (8-25-22) यहाँ प्रयुक्त हरियाणे शब्द के कष्टों को सहने वाला, हरणशील, हरि का यान आदि अनेक अर्थ हो सकते हैं, किंतु इससे प्रदेश-विशेष के नाम का स्पष्ट बोध नहीं होता। यह कहना है, सुप्रसिद्ध साहित्यकार एवं शिक्षाविद् डॉ. रामनिवास मानव का। उन्होंने स्पष्ट किया कि हरियाणा शब्द की व्युत्पत्ति मुख्यत- हरयान अथवा हरि?यान शब्द से? मानी जाती है। इसीलिए इसे अंग्रेज़ी में हरयाणा तथा हिंदी में हरियाणा लिखा जाता है। किंतु मेरे मतानुसार यह थ्योरी गलत है। हर (शिव) और हरि (विष्णु) के इस क्षेत्र में यान द्वारा विचरण करने का सटीक उल्लेख नहीं मिलता। फिर यान के विचरण करने से किसी क्षेत्र ? के नामकरण की बात भी गले नहीं उतरती। हरियाणा के नामकरण संबंधी अन्य मतों का उल्लेख करते हुए, उन्होंने कहा कि हरियानक, हरितारण्यक, हरिताणक, आर्यायन, दक्षिणायन, उक्षणायन, हरिधान्यक, हरिबांका आदि शब्दों से हरियाणा की व्युत्पत्ति संबंधी अन्य थ्योरियाँ भी अविश्वसनीय, बल्कि कुछ तो हास्यास्पद लगती हैं। डॉ. बुद्धप्रकाश और प्राणनाथ चोपड़ा ने हरियाणा की व्युत्पत्ति अभिरायण शब्द से मानी है, किंतु इसे भी आंशिक रूप से ही सही माना जा सकता है। डॉ. मानव ने कहा कि मेरी सुचिंतित और सुनिश्चित मान्यता है कि हरियाणा की व्युत्पत्ति अहिराणा शब्द से हुई है। पशुपालन और कृषि का व्यवसाय करने वाले यदुवंशियों को अभिर या आभीर कहा जाता था, कालांतर में, जिसका तद्भव रूप अहीर हो गया। अहीर बहादुर योद्धा माने जाते थे, जिनके अस्तित्व के प्रमाण ईसा से छह हजार वर्ष पूर्व भी मिलते हैं। उन्होंने आगे स्पष्ट किया कि किसी समय अहीर जाति हरियाणा, दिल्ली, बिहार, मध्यप्रदेश, उत्तर प्रदेश और राजस्थान से लेकर गुजरात और महाराष्ट्र तक फैली हुई थी। किंतु वर्तमान हरियाणा, दिल्ली और पश्चिमी उत्तर प्रदेश में उसका पूरा आधिपत्य और संपूर्ण वर्चस्व रहा। अहीरों का बाहुल्य होने के कारण ही इस क्षेत्र को अहिराणा कहा जाने लगा। (जैसे राजपूतों के कारण राजपुताना, मराठों के कारण मराठवाड़ा और भीलों के कारण भीलवाड़ा कहा जाता है।) बाद? में, हरियाणवी बोली की उदासीन अक्षरों के लोप की प्रकृति के चलते, अखाड़ा-खाड़ा, अहीर-हीर, उतारणा-तारणा, उठाणा-ठाणा और स्थाण-ठाण की तर्ज पर, अहिराणा से हिराणा और फिर हरयाणा या हरियाणा हो गया। अहिराणा शब्द का अर्थ है-अहीरों का क्षेत्र। इसे अहीरवाल का पर्यायवाची माना जा सकता है। एक अन्य महत्त्वपूर्ण तथ्य का उल्लेख करते हुए डॉ. मानव ने कहा कि इससे भी मेरे मत की पुष्टि होती है। आज भी महाराष्ट्र के खानदेश, जिसे कभी हीरदेश भी कहा जाता था और जिसमें महाराष्ट्र के मालेगांव, नंदुरबार और धुले जिलों के अतिरिक्त नासिक जिले के धरनी, कलवण, सटाणा और बागलान तथा औरंगाबाद जिले के देवला क्षेत्र, गुजरात के सूरत और व्यारा तथा मध्यप्रदेश के अंबा और वरला क्षेत्र शामिल हैं, जहाँ आज भी अहिराणी बोली, बोली जाती है। देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली और बीस-बाईस लाख लोगों द्वारा बोली जाने वाली अहिराणी का अर्थ है अहीरों की बोली। इससे स्पष्ट है कि अहिराणा और अहिराणी में सीधा संबंध और पूरी समानता है। अंत में, निष्कर्ष प्रस्तुत करते हुए, डॉ. मानव ने कहा कि हरयाणा अथवा हरियाणा शब्द की व्युत्पत्ति हरयान या हरियान शब्दों से नहीं, बल्कि अहिराणा शब्द से हुई है तथा यह मत पूर्णतया तथ्यपरक, तर्कसंगत और प्रामाणिक है।